ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
चंद्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्विद्यालय
कानपूर, उत्तर प्रदेश

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 01-04-2025

इटावा(उत्तर प्रदेश) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-04-01 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2025-04-02	2025-04-03	2025-04-04	2025-04-05	2025-04-06
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	1.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	38.0	38.0	39.0	40.0	40.0
न्यूनतम तापमान(से.)	18.0	19.0	21.0	20.0	20.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	35	42	53	41	41
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	19	20	29	25	25
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	8	4	5	6	7
पवन दिशा (डिग्री)	334	338	326	308	290
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	3	2	0	0
चेतावनी	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं

पूर्वानुमान सारांश:

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार आगामी पांच दिनों में हल्के से मध्यम बादल छाये रहने के कारण दिनांक 04.04.2025 को स्थानीय स्तर पर बूंदाबांदी होने की सम्भावना है। अधिकतम तापमान 37.0- 40.0°C के मध्य है, जो सामान्य से 2-3°C अधिक रहने की सम्भावना है तथा न्यूनतम तापमान 17.0-20.0°C के मध्य है, जो सामान्य से 1-2°C अधिक रहने की सम्भावना है। सापेक्षिक आर्द्रता की अधिकतम एवं न्यूनतम सीमा 36-55 तथा 19-28% के मध्य है। हवा की दिशा उत्तर-पश्चिम है तथा हवा की गति 2.0-8.0 किमी प्रति घंटा के मध्य है, तथा झोंके सामान्य से 2-3 किमी प्रति घंटा अधिक गति से चलने की सम्भावना है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, अगले दो दिन में तेज सतही हवाएं चलने की संभावना है।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

मौसम की स्थिति को देखते हुए ग्रीष्मकालीन सब्जियों एवं फसलों में आवश्कतानुसार हल्की सिंचाई कर उचित नमी बनायें रखें। एवं सरसों, चना, मटर जैसी परिपक़्व फसलों की कटाई एवं मड़ाई का कार्य प्रातः काल /सायंकाल के समय करे एवं दोपहर के समय अनावश्यक घर से बाहर न निकले। खेत में कार्य करते समय सिर पर गमछा बांधे एवं पानी की बोतल साथ में अवश्य रखे।

सामान्य सलाहकार:

किसानों को सलाह दी जाती है कि वे खड़ी सब्जियों एवं फसलों में आवश्कतानुसार हल्की सिंचाई कर उचित नमी बनायें रखें एवं सरसों, चना, मटर जैसी परिपक़्व फसलों की कटाई एवं मड़ाई का कार्य प्रातः काल /सायंकाल के समय ही करे एवं दोपहर के समय अनावश्यक घर से बाहर न निकले। खेत में कार्य करते समय सिर पर गमछा बांधे एवं पानी की बोतल अवश्य साथ में रखे। मड़ाई की हुई फसलों के दानो को सुरछित स्थान रखें। प्याज में थ्रिप्स कीट एवं बैंगनी धब्बा रोग के संक्रमण की रोकथाम के लिए नियमित रूप से फसलों पर निगरानी रखने की सलाह दी जाती है। कीटनाशी, रोगनाशी एवं खरपतवार नाशी रसायनों के लिए अलग -अलग अथवा उपकरणों को साफ पानी से धोकर ही प्रयोग करें तथा कीटनाशी, रोगनाशी एवं खरपतवार नाशी रसायनों का छिड़काव हवा के विपरीत दिशा में खड़े होकर छिड़काव या बुरकाव न करें। छिड़काव यथा सम्भव हो तो सायंकाल के समय करे, छिड़काव के बाद खाने-पिने से पूर्व हाथों को साबुन या हैंड वाश से अच्छी तरह से धो लेना चाहिए तथा कपड़ो को धोकर नहा लेना चाहिए।

लघु संदेश सलाहकार:

किसानों को सलाह दी जाती है कि वे खड़ी सब्जियों एवं फसलों में आवश्कतानुसार हल्की सिंचाई कर उचित नमी बनायें रखें। खेत में कार्य करते समय सिर पर गमछा बांधे एवं पानी की बोतल साथ में अवश्य रखे।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	विलम्ब से बोई गई गेहूँ की फसल दाना भरने की अवस्था में चल रही है, जो नमी की कमी के प्रति संवेदन शील है अतः किसान भाई आवश्यक्तानुसार हल्की सिचाई कर उचित नमी बनाये रखे। गेहू की फसल में चूहों का प्रकोप दिखाई देने पर जिंक फास्फाइड से बने चारे अथवा एल्युमिनियम फास्फाइड की टिकिया का प्रयोग करें। चूहों की रोकथाम के लिए सामूहिक रूप से प्रयास करें।
मक्का	समय से बोई गई मक्के की फसल में पहली सिचाई बुवाई के 20-25 दिन बाद करे, तथा ओट आने पर निराई-गुड़ाई का कार्य करें। गोभ भेदक मक्खी के लार्वा दिखाई देने पर इसके नियंत्रण हेतु आक्सीडेमेटान-मिथाइल 25 ई.सी. या क्लोरैन्ट्रानिलिप्रोल 375 मिली. मात्रा प्रति हेक्टेयर की दर से 500-700 लीटर पानी में घोल बनाकर छिडकाव करे।
काला चना	समय से बोई गई उड़द की फसल में प्रथम सिंचाई बुवाई के 30-35 दिन बाद करनी चाहिए तथा पत्ते आने पर निराई-गुड़ाई करनी चाहिए। यदि उड़द की फसल में हरा फुदका/थ्रिप्ट कीट का प्रकोप दिखाई दे तो इमिडाक्लोप्रिड 17.8% एस.एल. 2.5 मिली मात्रा को 500-700 लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें।
मूँग	मूँग की संस्तुत प्रजातियॉ-नरेन्द्र मूँग-1, मालवीय जाग्रंति, सम्राट, मूँग जनप्रिया, मेहा, एच0यू0एम-16, मालवीय ज्योति, टी0एम0वी0-37, मालवीय जन चेतना, आई0पी0एम0- 2-3, आई0पी0एम0- 2-14, कनिका, आज़ाद मूँग -1 हीरा, सूर्या, इत्यादि में से किसी एक प्रजाति की बुवाई के लिए खाद एवं बीज की व्यवस्था कर, बुवाई का कार्य करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
प्याज	प्याज की फसल में यदि बैंगनी धब्बा रोग दिखाई दे तो इसके नियंत्रण हेतु मेन्कोजेब 0.25% (0.25 ग्राम/लीटर पानी) का घोल बनाकर 15-20 दिन के अन्तराल पर 3-4 बार छिड़काव करें। ग्रीष्म ऋतु में बोई जाने वाली सब्जियां जैसे भिण्डी, तोरी, खीरा, करेला, लौकी, कद्दू आदि की बुवाई का कार्य शीघ्र पूरा करें। कद्दू वर्गीय सब्जियों में लाल कद्दू कीट का प्रकोप होने पर प्रातः पौधों के तने के चारों ओर मिट्टी में 5% मैलाथियान धूल का छिड़काव कर पौधों पर छिड़कें। ग्रीष्मकालीन फसलें जैसे टमाटर, मिर्च आदि की रोपाई हेतु खेत तैयार करें तथा तैयार पौध की रोपाई भी कर दें।
आम	आम के बागो की सिंचाई कर उचित नमी बनाये रखे। आम के बौर में मिज कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है। अतः इसके रोकथाम हेतु फेनिट्रोथियान 1.0 मिली/लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। आम के बागों में भुनगा एवं लस्सी कीट प्रकोप दिखाई देने के आसार है अतः इसके रोकथाम हेतु क्लोरपायरीफॉस 20 ई सी 2.0 मिलीलीटर या फेनिट्रोथियान 50 ई. सी. 3.0 मिलीलीटर/लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	पशुओं के व्याने के बाद 750 ग्राम सरसो का तेल, 100 ग्राम हल्दी, 50 ग्राम सोंठ, 50 ग्राम जीरा , 500 ग्राम गुड़ के मिश्रण की ओटी बनाकर सुबह - शाम तीन दिन तक खिलाये। वर्तमान मौसम को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पशुओं को रात के दौरान खुले में न बांधें । पशुओं को हरे और सूखे चारे के साथ पर्याप्त मात्रा में अनाज दें। पशुओं को खुरपका- मुँहपका रोग की रोकथाम हेतु एफ.एम.डी. वैक्सीन से तथा लंगड़िया बुखार की रोकथाम हेतु बी.क्यू. वैक्सीन से टीकाकरण करायें। पशुओ को साफ एवं ताजा पानी दिन में ३-४ बार अवश्य पिलायें।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
मुर्गी	किसानों को सलाह दी जाती है कि वे मुर्गियों को भोजन में पूरक आहार, विटामिन और ऊर्जा खाद्य सामग्री मिलाएं और साथ ही साथ कैल्शियम सामग्री भी मुर्गियों को दें। मुर्गियों में रानीखेत बीमारी से रोकथाम हेतु एक सप्ताह के चूजों को एफ-1 तथा चार सप्ताह के चूजों को आर-2 वैक्सीन से टीकाकरण करायें।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, अगले दो दिन में तेज सतही हवाएं चलने की संभावना है।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

मौसम की स्थिति को देखते हुए ग्रीष्मकालीन सब्जियों एवं फसलों में आवश्कतानुसार हल्की सिंचाई कर उचित नमी बनायें रखें। एवं सरसों, चना, मटर जैसी परिपक़्व फसलों की कटाई एवं मड़ाई का कार्य प्रातः काल /सायंकाल के समय करे एवं दोपहर के समय अनावश्यक घर से बाहर न निकले। खेत में कार्य करते समय सिर पर गमछा बांधे एवं पानी की बोतल साथ में अवश्य रखे।

Farmers are advised to download Unified �Mausam� and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details